सत्य एँव अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन इवैंजलिकल फैलोशिप। (LEF,Chennai)

सितम्बर-अक्टूबर, 2004

अनिश्चित धन

१९२३ में धरती पर नौ सबसे सामर्थी (धनवान) लोग अमरीका के शिकागो शहर में इक्ठ्ठा हुए। किसी भी व्यक्ति को इन लोगों को देख जलन होनी स्वाभाविक थी, क्योंकि वह अमरीका की ७० प्रतिशत संपत्ति के मालिक थे। वह लोग थे - चालर्स श्वाब, संसार के सबसे बड़े लोहे के कारखाने का प्रधान। सैमुय्ल इनसल - सबसे बड़े बिजली पैदा करने वाले कारखाने का मुखिया, हावर्ड होनसन- इंधन गैस पैदा करनेवाले कारखाने का मुखिया, आर्थर कर्टन- अमरीका में गेहूँ का सबसे बड़ा विक्रेता, रिर्चड विटनी - न्युयार्क शहर के स्टाक एक्सचेंज का मुखिया, अल्बर्ट फॉल - राष्ट्रपति हार्डिंग के अन्दरूनी कार्य का सेक्रेट्री, जॅसी लिक्रमोर - वॉल स्ट्रीट दलाली में सबसे अधिक पैसा लगाने वाला, इवर क्रूगर - संसार की सबसे बड़ी एकाधिकरण का मुखिया और लिऑन फ्रैसर - इंटरनैश्नल सेटल्मेंट का मुखिया।

लेकिन इन लोगों में नैतिक-मानदंड की कमी थी, उन्होंने अनिश्चित धन में अपना भरोसा लगाया और अब दुखद वास्तविकता का सामना कर रहे थे, बहुत से अमीरों की आशाओं का अन्त हो जाता है।

१९४८ में २५ साल पहले की उस विख्यात सभा के बाद, चालर्स श्वाब नें अपने को दिवालिया घोषित कर दिया और जीवन के आखिरी पाँच साल उधार पैसों पर बिताए। सैमुय्ल इन्सल विदेशी भूमि पर एक कानूनी भगौड़े के रूप में खाली जेब

पृष्ठ २ पर..अनिश्चित धन।.

मृत्युंजय ख्रिस्त
ON LINE

By Email:
post@lefi.org

At our Web Site:
http://lefi.org

मेरा अनुसरण करो

लूका (९:२३) तब उसने सब लोगो सेह कहा,'' यदि कोई मेरे पीछे आना चाहता है तो वह स्वयं अपना इनकार करे, प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए और मेरा अनुसरण करे।''

आज, यीशु का आधुनिक चेला संसार में शायद ही कोई हल-चल पैदा करता हो। इससे बढ़कर वे लोग जो अपने आप को सभ्य मानकर कहते हैं कि वे काफी सहनशील हैं। ''मैं क्यों परवाह करूँ?'' वे महसूस करते हैं कि हर एक को अपनी मान्यता तथा धर्म का अधिकार है। लेकिन यदि कोई सच्चा मसीही, जो सच्चा मसीही जीवन जी रहा हो, ऐसे दृश्य में आये जहाँ सहनशीलता की ढींगे मारी जा रही हों, वे उसे देख कर ऐसे आग बबूला होंगे जैसे परेशान व्हेल मछली।

बहुत से मसीहियों के साथ यह समस्या है कि वे सोमवार को अपने सप्ताह के दिनों के कवच में घुस जाते हैं, जैसे परेशान घोंघा सीपी में घुस जाता है। तो संसार को सक्रिय मसीही चेला देखने का बहुत कम मौका मिलता है। जब मसीह आपके पास आते हैं तो कहते हैं,''अपना त्याग करो, अपने क्रूस को उठाओ और मेरा अनुसरण करो।'' जिन सताव या अत्याचार का सामना तुम मसीह के कारण करोगे, उनका महान प्रतिफल है। क्रूस - शर्मनाक मृत्यु तथा उठाने वाले बोझ का चिन्ह है। हमारी एक सभा में परमेश्वर ने एक नौजवान से कहा, ''जब तुम जवान हो तो अपना क्रूस उठाओ और तुम्हारे बुढ़ापे में क्रूस तुम्हें उठाएगा।'' हाँ, यह यीशु का क्रूस है जो पाप से हमें अलग कर विजयी मसीही जीवन देता है।

''यदि कोई व्यक्ति मेरे पीछे आना चाहे, वह अपना त्याग करे और प्रतिदिन अपने क्रूस को उठाए और मेरा अनुसरण करे।'' कौन हर दिन मरना व अपने स्वार्थ को छोड़ना चाहता है? बहुत से मसीही लोग तो गीतों, बड़े गायक दलों और सुरीले संगीत में ही रुचि रखते है। हर रोज़ स्वार्थ के प्रति मरने की बुलाहट को मसीही लोग छोड़े हुए हैं, जिस कारण वह आत्मिक घोंघे बन कर रह गए हैं, जिनका धार्मिकता के आत्मिक युद्ध में ज़रा सा भी असर नहीं है।

शाऊल ने कलिसिया पर तबाही मचाई हुई थी और घरों में घुस कर विश्वासी आदमी-औरतों को पकड़ कर जेलों में भर रहा था। अब यही कलिसिया है - एक वास्तविक रण भूमि, खतरे का, खतरा उठाने का और मृत्यु का स्थान।

आधुनिक पूर्ण परिवर्तन को देखिए जो मसीही चेलों तथा कलिसिया में आ गया है। उनमें से अधिकतर आराम परस्त, स्वार्थी इच्छाओं से भरे लोग हो गए हैं और उनका मन सांसारिक चीज़ों तथा पैसा कमाने की ओर लगा हुआ है। और वह नीरास स्थान जहाँ यह आराम परस्त लोग इक्ठ्ठा होते हैं, एक सामाजिक मनोरंजन शाला, जिसे वे चर्च कहते हैं!

प्रभु यीशु ने कहा, ''इसलिए जो कोई इस व्यभिचारी और पापी पीढ़ी में मुझे से और मेरे वचनों से लज्जित होता है, मनुष्य का पुत्र भी, जब अपने पिता की महिमा में पवित्र स्वर्गदूतों के साथ आएगा, तब वह उस से भी लजाएगा।'' मरकुस(३:३८), यह बड़े दुख की बात है कि अपने कार्यालयों में बहुत से लोग अपने साथियों और अधिकारियों के बीच जीवित उद्धारकर्ता को नीचा दिखाते हैं!

आजकल लोगों में अनिश्चितता तथा असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ गई है कि हम आदमियों और औरतों को बिना शर्म-लिहाज के ज्योतिषियों के पास दौड़ते हुए देखते हैं। इस आत्मा के नाश करने वाली कार्यवाही के बीच एक सच्चा

पृष्ठ ३ पर..मेरा अनुसरण करो।

यीशु के नाम में शक्ति

परमेश्वर के सामने यीशु मसीह के नाम को छोड़ किसी दूसरे नाम में आने से कई लाभ नहीं है, यीशु के परमेश्वर पर दावे के द्वारा, उनकी प्रायश्चित बलि वाली मृत्यु के दावे पर, जिसके द्वारा उन्होंने हमारे पापों को अपने ऊपर लिया और हमारे लिए यह संभव किया कि हम उनके दावे के द्वारा परमेश्वर के सम्मुख आ सकें।

क्या आप इस बात को समझते हैं कि यीशु के नाम में महान बातों को माँग कर हम उनके नाम का आदर करते हैं? क्या आप यह समझते हैं कि यीशु के नाम में बड़ी बातों को मांगने की निडरता न करके हम उनके नाम का निरादर करते हैं? ओह, प्रभु यीशु के नाम की सामर्थ में विश्वास कर और उस नाम में महान बातें मांगने की निडरता दिखा!

गृह युद्ध के दौरान, अमरीका के ओहायो राज्य के कोलम्बस शहर में एक माता-पिता रहा करते थे, उनका एकलौता बैटा था, उनके हृदय का आनंद। युद्ध छिड़ने के कुछ समय बाद ही एक दिन वह घर आया और अपने माता-पिता से बोला, ''मुझे सेना में भरती के लिए बुलाया गया है।'' यह सच है कि अपने बेटे के घर छोड़कर जाने का उन्हें बहुत दुख था लेकिन वह अपने देश से प्रेम करते थे और वे अपने बेटे का त्याग करने को तैयार थे कि वह युद्ध में जा सके और देश के लिए लड़ सके।

युद्ध में आगे जाने के बाद वह नियमित रूप से घर चिठ्ठी लिखा करता, अपने माता-पिता को अपने शिविर तथा बाहर के अनुभव के बारे में बताता। उसके पत्र आशा से भरे होते थे और वह उसके माता-पिता के सूने मन में खुशी भर देते। लेकिन एक दिन नियमित समय पर चिठ्ठी नहीं आई। कई दिन बीत गए पर कोई पत्र नहीं। सप्ताह बीत गए और वे यह सोचते रहे कि उनके बेटे का क्या हुआ होगा। एक दिन अमरीकी सरकार से यह पत्र आया और उसमें उन्हें यह बताया गया कि एक स्थान पर भारी युद्ध छिड़ हुआ था और बहुत लोग मारे गए और उनका बेटा उन मरने वाले लोगों में से एक था। उस घर का चिराग जाता रहा।

दिन बीते और सप्ताह बीते और सालों बीतते रहे। युद्ध का अन्त हुआ। एक दिन वे प्रातःकाल भोजन की मेज पर बैठे थे, नौकरानी अन्दर आई और बोली ,''चीथड़ों में एक गरीब आदमी घर के दरवाज़े पर खड़ा है, वह आपसे बात करना चाहता है। लेकिन मैं जानती हूँ कि आप ऐसे व्यक्ति से बात नहीं करना चाहोगे और और उसने मेरे हाथ में यह चिठ्ठी रख दी और बोला कि मैं यह चिठ्ठी आपको दे दूं।'' और उसने पिता के हाथ में मैला कुचला कागज़ का दुकड़ा रख दिया। पिता ने उसे खोला और उस पर नज़र डाली, उसकी नज़र लिखाई पर पड़ी। वह चौंक गया क्योंकि उसने अपने बेटे चार्ली की लिखाई को पहचान लिया। उस चिठ्ठी में यह लिखा था -

प्यारे पिताजी एंव माँ,

मुझे गोली लगी है और मेरी जिन्दगी के कुछ ही घण्टे बाकी हैं और मैं अलविदा का यह आखिरी पत्र आपको लिख रहा हूँ। मेरे लिखते समय, मेरी टोली में मेरा सबसे घनिष्ठ मित्र मेरे पास घुटने टेके बैठा है और जब यह युद्ध थम जाएगा तो यह पत्र वह अपने हाथ से आपको लाकर देगा। जब वह लाए तो चार्ली के कारण उसे आदर सहित ग्रहण करना।

आपका बेटा चार्ल्स।

उस घर में उस गरीब बेघर की तुलना में ''चार्ली के कारण'' कोई चीज़ ज्यादा मूल्यवान नहीं थी और धरती तथा स्वर्ग में कोई ऐसी बढ़कर महान चीज़ नहीं है, आपके और मेरे लिए यीशु के नाम में। ओह, साहस रखो और यीशु के नाम में परमेश्वर से महान चीज़े माँगो।

- आर ए टॉरी।

पृष्ठ २

मृत्युंजय खिस्त

पृष्ठ १ से..अनिश्चित धन। मरा। हॉवर्ड होपस्न पागल होकर मरा। आर्थर कर्टन अपनी वित्तीय ऋण भरने की योग्यता को खो बैठा तथा विदेश में मरा। रिचर्ड विटनी सिंग-सिंग जेल से अभी छूटा था। अलबर्ट फॉल को अभी-अभी राष्ट्रपति से छूट मिली थी कि वह जेल में मरने की बजाय अपने परिवार के साथ रहते मर सके।

अन्त में जैसी लीवरमोर और इवर क्रूगर ने अपनी जान वैसे ही ली जैसे लीआन फ्रैसर ने ली थी।

इतिहास ने हमारे लिए कैसा महान पाठ छोड़ा है। यह लोग एक साल लोगों की वाहवाही के बीच इक्ट्ठा हुए थे और कुछ २५ साल बाद सभी नौ व्यक्ति अनन्तता नें महिमा बजाय दुख के साथ प्रवेश कर गए।

प्रभु यीशु मसीह ने कहा,'' क्योंकि यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त कर ले और अपने प्राण को खो दे तो उसे क्या लाभ ?'' मरकुस (८:३६) आदमी को पैसा इक्ट्ठा करके क्या लाभ यदि इससे वह अपने उद्धार को नहीं खरीद सकता। उद्धार इतना कीमती है कि संसार के सबसे सामर्थी(धनवान) लोग भी इसे नहीं खरीद सकते। लेकिन यीशु मसीह ने कलवरी पर हमारे लिए उद्धार का दाम चुकाया है। हम इसके लिए कुछ नहीं चुकाते।

अपने उद्धार को पाने के लिए केवल एक ही शर्त है कि हम यीशु पर विश्वास करें, पश्चाताप करें और अपने पापों को उनके आगे स्वीकार करें। यदि हमारी संपत्ति यीशु मसीह में निहित है तो हमारा हृदय सुरक्षित है। परमेश्वर इस बात की आज्ञा देते हैं कि हम उनके साथ वाचा बांधे और हमारा सारा जीवन उनकी सेवा के लिए समर्पित हो।

Beautiful Books

First Floor, Victoria Hotel
Near GPO
CST, Mumbai
Phone : (022) 5633 4763
9:30 AM - 7:00 PM, Sunday Closed

अधिकार का त्याग करो

गृह युद्ध के समाप्त होने के थोड़े समय बाद, सेनापत्ति विलियम टी शेरमैन की विजयी सेना उस बड़े शहर में विजयी कवायद करने वाली थी।

एक रात पहले, शेरमैन ने जनरल ऑलीवर ओ हॉवर्ड को अपने कमरे में बुलाया और कहा, ''जनरल, आप उन टुकड़ी के सरचालक थे जो मेरे साथ जार्जिया से गुज़री थी और यह आपका सही अधिकार है कि कल कवायद में आप अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करें । लेकिन मुझसे यह अनुरोध किया गया है कि आपसे पहले जो उस टुकड़ी के जनरल रहे हैं, वह आपके स्थान पर उस टुकड़ी का नेतृत्व कल कवायद में करें। मुझे समझ नहीं आता क्या निर्णय लूं।''

जनरल हॉवर्ड ने उत्तर देते हुए कहा, ''मेरी सोच में मुझे अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करने का अधिकार है क्योंकि मैंने उनकी विजय में अगुवाई की है।''

''हाँ, तुम सही हो।'', शेरमैन ने कहा, ''लेकिन मैं मानता हूँ कि तुम मसीही हो, और मैं सोच रहा था कि हो सकता है मसीही सिद्धांत तुम्हें शांति बनाए रखने के लिए तुम्हें अपने अधिकार छोड़ने को कहे।''

''यदि ऐसी बात है,'' हॉवर्ड बोले, ''निश्चय मैं छोड़ने को तैयार हूँ।''

''सही है'', जनरल शैरमैन ने कहा,'' मैं चलता हूँ, तैयारी करनी है, क्या आप कल सुबह नौ बजे कृपया मुझसे मिलेंगे? आप मेरे साथ सेना के सेनापति के रूप में मेरे साथ रथ में बैठेंगें।''

जनरल हॉवर्ड का स्वेच्छा से अपने कमांडर के सामने समर्पण और अपना हक त्यागना उन्हें सबसे बड़े सम्मान वाले पद पर ले गया।

युहन्ना(१२:२६) ''यदि कोई मेरी सेवा करना चाहे तो मेरे पीछे चले।...'' जब यीशु पर अत्याचार हुआ और विरोध हुआ, उन्होंने अपने अधिकारों का दावा नहीं किया, परन्तु १ पतरस (२:२३) ''अपने आप को उसके हाथ सौंप दिया जो धार्मिकता से न्याय करता है।''

यही आत्मा उनके अनुयायियों में होनी चाहिए. यदि हम मसीही होने के नाते अपने जीवन को मसीह के कारण दूसरों की सेवा में बिता देते हैं, हम उनका पुरूस्कार पाएँगें। हमारी 'हानि' हमारा 'लाभ' ठहरेगी।

मरकुस (८:३५)''..जो कोई मेरे और सुसमाचार के लिए अपना प्राण खोता है, वह उसे बचाएगा।''

मसीही जीना

स्वर्गीय आर. जी. लीटोरनेऊ, टेक्सास के बड़े उद्दोगपति, के पास दान देने की भेंट थी। उनकी आत्मकथा में दान की भेंट के सवाल के विषय में कुंजी की व्याख्या की गई है। उसमें उन्होंने कहा, ''सवाल यह नहीं है कि मैं अपने पैसे में से परमेश्वर को कितना देता हूँ, लेकिन यह है कि परमेश्वर द्वारा दिये पैसे में से मैं कितना अपने पास रखता हूँ।'' इसका उत्तर उन्होंने अपने जीवन में अपनी संपत्ति का ९० प्रतिशत भाग मसीही संस्थान को देकर दिया है और उन्होंने तथा उनकी पत्नी ने नकदी कमाई का ९० प्रतिशत दे दिया जो उन्होंने अपने व्यापार से कमाया। उनको और उनकी पत्नी को कभी कमी नहीं हुई।

-चुना हुआ।

अब मैं अपने को लिटाती हूँ

एक लड़की का खतरे से भरा ऑपरेशन होना था। बेहोशी की दवा देने से पहले डाक्टर ने कहा, ''तुम्हें अच्छा करने से पहले हमें आपको सुलाना पड़ेगा।'' लड़की ने जवाब दिया, ''ओह, यदि आप मुझे सुलाने जा रहे हैं तो पहले मुझे प्रार्थना करने दीजिए।'' और उसने अपने हाथों को जोड़ा, आँखें बंद की और बोली, ''अब मैं सोने के लिए लेटती हूँ, हे प्रभु मैं प्रार्थना करती हूँ कि आप मेरी आत्मा की रखवाली करो, यदि मैं जागने से पहले मर जाऊँ, प्रभु, मैं प्रार्थना करती हूँ कि आप मेरी आत्मा को ले लीजिएगा। और यह मैं यीशु के नाम में माँगती हूं, आमीन। ''

बाद में डाक्टर ने यह स्वीकार किया कि उसने स्वंय अपने जीवन में यह प्रार्थना उस रात पहली बार पिछले तीस बरस बीतने पर की।

- चुना हुआ।

पृष्ठ १ से..मेरा अनुसरण करो।

चेला कैसे चुप बैठेगा और अपना मुँह खोल कर उस यीशु के विषय में क्यों न बताएगा, जिसने उसे शांति और पापों की क्षमा दी है?

दुखद बात यह है, जो विचारधारा मसीहियों में गहरे पैठी हुई है और उनको रोके हुए है, वह है गुप्त लालसा, धरती पर धन-संपत्ति की गुप्त लालसा, जिसे पाने उनके पड़ोसी भागते हैं!

ऐसा जान पड़ता है कि वह उस दबाव को भी सहन नहीं कर पाते जो उनके बच्चे उन्हें यह-वह खरीदने को दबाव डालते हैं। ''बच्चे उन पर शासन करते हैं'', अव्यवस्था के दृश्य को स्पष्ट दिखाते हुए बाइबल कहता है।

रुचियों तथा चीज़े बटोरने की आदत जो बच्चों में पनप रही है वह कुछ ओर नहीं बल्कि उनके माता-पिता के अक्रूसित गुण हैं। यदि तुम्हारे अन्दर चीजें पाने की चाह ने बढ़कर, आत्माओं को जीतने की चाह को ठण्डा कर दिया है तो तुम ठुकी कील के समान निर्जीव हो। तुम्हारा मसीही होने का दावा नरक में दुष्टातमाओं को बहुत संतोष देता है।

आओ, अपने आप को नम्र करें और दुष्ट मन को दूर करें जो आसानी को चाहता है तथा सब बातों से बढ़कर आराम को चाहता है। आओ, हम अपनी ओर परमेश्वर की महान वफादारी के लिए, उनकी ओर धन्यवाद तथा कृत्ज्ञता से अपने को भर लें। आओ अपने को दुबारा पवित्रता तथा सत्य के युद्ध की तैयारी के लिए सुसज्जित कर लें।

आओ प्रार्थना वीर बनें जो तब तक प्रार्थना में जुटे रहें, जब तक यीशु से घृणा करने वाले फिर कर उसके महान चेले न बन जाएँ, जैसा संत पौलुस के साथ हुआ था।

- जोशुआ दानियल।

सत्य की परख!

''भजन (७७:१) मैं ऊंचे स्वर से परमेश्वर की दुहाई दूंगा, ऊंचे स्वर से परमेश्वर की दुहाई और वह मेरी सुन लेगा।''

पृष्ठ ३

स्वर्गदूतों से अवगत रहो

नाजियों के रेवनस्वरूक में भयंकर कैदी शिविर के एक अदभुत अनुभव के विषय कॉरी टेन बूम लिखती हैं।

उस डरावनी इमारत में हम इक्ठ्ठा घुसे। एक मेज के सामने कुछ महिलाएँ थीं जो हमारे सारे सामान को हमसे ले रहीं थीं। हरेक को सारे कपड़े उतारने पड़ते, उसके बाद फिर एक कमरे में जाना पड़ता, जहाँ बालों की जाँच होती।

मैंने एक महिला से, जो नए आगंतुकों के सामान को जाँचने में लगी थी, पूछा कि क्या मैं शौचालय का प्रयोग कर सकती हूँ। उसने एक दरवाज़े की ओर संकेत किया। बेटसी (मेरी बहन) सारे समय मेरे साथ रहती थी। अचानक मुझे यह प्रेरणा हुई ''जल्दी अपने ऊनी कोट को उतार लो '', मैंने उसे फुसफसा कर कहा। मैंने उसके कोट को अपने कोट के साथ लपेट कर एक बंडल बनाया और अपनी छोटी बाइबल के साथ कोने में रख दिया। वह स्थान तिलचट्टों से भरा था, लेकिन मैंने उसकी परवाह नहीं की। मैने अपने को भारमुक्त और आनंदित महसूस किया। ''बेटसी प्रभु हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देने में लगे हैं'', मैंने फुसफुसाया ''हमें अपने सारे कपड़ों का त्याग नहीं करना पड़ेगा।''

हम जल्दी से महिलाओं की पंक्ति में खड़े हो गये, जिन्हें कपड़े उतार कर अपनी जाँच करवानी थी। कुछ ही देर में, जब हमने स्नान किया और भद्दे कपड़ों को पहना, मैंने अपनी बाइबल अपने कपड़ों के नीचे छिपा ली। वह मेरे कपड़ों में से उभर कर स्पष्ट नज़र आ रही थी, लेकिन मैंने प्रार्थना की, ''प्रभु, अपने स्वर्गदूतों के द्वारा मुझे घेर लो और आज वह परदर्शी न रहें, ताकि जाँचने वाले मुझे न देख सकें।'' मेरा मन पूरी तरह शांत था। निश्चिंत हो मैं सुरक्षा कर्मियों के सामने से गुज़र गई। हरेक की आगे-पीछे, दाँयें-बाएँ से पूरी जाँच होती थी। उनकी निगाह से कोई भी उभार नहीं छिपता था। मेरे आगे जो महिला थी उसने अपने कपड़ों में ऊनी कोट को छिपाया था, वह उससे ले लिया गया। उन्होंने मुझे जाने दिया, क्योंकि उन्होंने मुझे नहीं देखा। बेटसी जो ठीक मेरे पीछे थी, उसकी जाँच हुई।

लेकिन बाहर एक और खतरा इंतजार में था। दरवाज़े के दोनों ओर एक-एक महिला खड़ी थी, जो दुबारा सबकी जाँच करती। वे हरेक जाने वाले के पूरे शरीर पर हाथ फेर कर जाँच करतीं। मैं जानती थी कि वह मुझे नहीं देखेंगीं, क्योंकि स्वर्गदूत मुझे घेरे हुए थे। जब वह मेरी जाँच किये बिना मेरे पास से गुज़र गई तो मुझे ज़रा भी अश्चर्य नहीं हुआ, मेरे अंदर यह विजयी पुकार उठी, '' हे प्रभु, यदि तू ऐसे प्रार्थनाओं का उत्तर देता है तो मैं यहाँ तक कि रैवनस्ब्रुक का निडरता से सामना कर सकती हूँ।''

हरेक सच्चे मसीह का उत्साह और सामर्थ बढ़नी चाहिए! स्वर्गदूत निगरानी रखे हैं, वे हमारे मार्गों का ध्यान रखते हैं। वे हमारे जीवन की घटनाओं की निगरानी रखते हैं और हमारे प्रभु के कार्य को संभालते हैं, हमेशा उसकी योजनाओं को पूरा करते तथा हमारे लिए उनकी सर्वोच्च इच्छा को पूरा करते हैं। स्वर्गदूत इच्छुक दर्शक बन हमारे हर कार्य को देखते हैं। १ कुरंथियों (४:९)''...हम समस्त सृष्टि और स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिए तमाशा बन चुके हैं।'' परमेश्वर हमारी सुरक्षा के लिए स्वर्गदूतों को जिम्मेवारी सौंपते हैं। स्वर्गदूत व्यक्तिगत रूप से हमारी देखभाल करते हैं। पवित्र शास्त्र - बाइबल में कई भाग यह साबित करते हैं कि हम उनके व्यक्तिगत कार्य का जिम्मा हैं। मारटिन लूथर ने कहा, ''स्वर्गदूत एक आत्मिक प्राणी है, जो परमेश्वर ने बिना भौतिक शरीर का बनाया है, मसीही समाज और कलिसिया की सेवा के लिए।'' हो सकता है कि हम स्वर्गदूतों की उपस्थिति से हमेशा अवगत न रहें। हम हमेशा यह नहीं बता सकते कि वह कैसे आएँगें। लेकिन अधिकतर वे हमारे साथी बने रहते हैं और हम उनकी उपस्थिति से अनजान। उनकी लगातार सेवकाई के विषय में हम थोड़ा ही जानते हैं। बाइबल हमें यह आश्वासन देती है, कि एक दिन हमारी आँखों से पर्दा हट जाएगा और हम देखेंगें कि स्वर्गदूतों ने हमारी ओर कितना ध्यान दिया है। (१ कुरंथि १३:११,१२) ''जब मैं बालक था तो बालक के समान बोलता, बालक के समान सोचता और बालक के समान समझता था, परन्तु जब सयाना हुआ तब बालकपन की बातें छोड़ दीं। अभी तो हमें दर्पण में धुंधला सा दिखाई पड़ता है, परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे, इस समय मेरा ज्ञान अधूरा है, परन्तु उस समय पूर्ण रूप से जानूंगा, जैसा मैं स्वयं भी पूर्णरूप से जाना गया हूं।''

पुराने नियम में, दानियल ने विस्तृतरूप से यह बताया कि कैसे परमेश्वर के स्वर्गदूतों तथा अंधकार की शैतानी आत्माओं के विरोध में भयंकर युद्ध छिड़ा हुआ था।

परमेश्वर के कई जनों के अनुभव यह बताते हैं कि स्वर्गदूतों ने उनकी सहायता की। हो सकता है दूसरों को यह आभास न हो कि उनकी सहायता की गई थी, लेकिन उनका आना स्पष्ट रूप से सिद्ध हो रहा था। बाइबल यह बताती है कि परमेश्वर ने अपने स्वर्गदूतों को अपने लोगों की सहायता का आदेश दिया है - वे जो मसीह के सामर्थी लहू द्वारा छुटकारा पाए हैं। हम अधिकतर उनकी उपस्थिति से आनभिज्ञ रहते हैं।

- चुना हुआ।

मेरा जीवन बदल गया

विश्व-विख्यात पियानो संगीतज्ञ आर्थर रूबेन्सटीन ने इस्राएली प्रधानमंत्री गोलडा मीअर तथा देशीय दर्शकों को इस्राएली टी वी प्रसारण में यह कह कर चौंका दिया कि वह यीशु मसीह के उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं। माउंट ज़ायन रिपोर्टर में एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना घटी, जब श्रीमति मीअर अमरीकी-यहूदी संगीतज्ञ का साक्षात्कार ले रहीं थी, उन्होंने उनसे 'अपने जीवन की सबसे बड़ी घटना' को बताने को कहा।

''जब मैंने येशुआ हारनाशीआख (यीशु मसीह) को अपने हृदय में स्वीकार किया,'' उन्होंने जवाब दिया,'' तब से मेरा जीवन बदल गया। तबसे मैंने आनंद और खुशी को अनुभव किया है।'' रिपोर्टर ने आगे यह भी लिखा था कि श्रीमति मीअर ने चौंक कर अपनी कमर कुर्सी की पीठ लगा ली।

कृपया पढ़ने के पश्चात मित्रों को दीजिए।